राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

जन–सम्पर्क अनुभाग

118, विद्युत भवन, जनपथ, ज्योतिनगर, जयपुर –302 005

फोन : 0141–2741825, मो. 9413349874, e-mail – pro@rrvun.com

स्टेट हेड एडिटर,
दैनिक भास्कर, जयपुर।

सम्पादक,
दैनिक भास्कर,
बांसवाड़ा एवं पाली संस्करण।

विषय – दैनिक भास्कर, बांसवाड़ा संस्करण में दिनांक 03.10.2021 को प्रकाशित समाचार की वस्तुस्थिति के सम्बन्ध में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि 3 अक्टूबर को दैनिक भास्कर के समस्त संस्करणों में शीर्षक

"माही बांध से हर साल 20 करोड़ यूनिट बिजली बना पा रहा राजस्थान
गुजरात हमारे उसी पानी से 3 स्तर पर 400 करोड़ यूनिट उत्पादन कर रहा"

के तहत राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के माही पन विद्युत गृह के सम्बन्ध में समाचार प्रकाशित हुआ था (प्रति संलग्न)।

प्रकाशित समाचार के सम्बन्ध में तथ्यात्मक टिप्पणी प्राप्त की गई है, जो कि निम्नानुसार है :

1. कडाना बांध पर 60 मेगावाट की 4 यूनिट स्थापित है जिनकी कुल क्षमता 240 मेगावाट है, जबकि माही पावर हाउस की कुल क्षमता 140 मेगावाट है (पावर हाउस प्रथम **2 X 25** मेगावाट एवं पावर हाउस द्वितीय 2 X 45 मेगावाट)। अतः कडाना बांध पर स्थापित यूनिटों का विद्युत् उत्पादन माही पावर हाउस पर स्थापित यूनिटों के विद्युत् उत्पादन से स्वाभाविक रूप से अधिक होगा। इसी सम्बन्ध में लेख है कि दोनों माही पन विद्युत् गृहों पर स्थापित इकाईयां जल संसाधन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा पानी उपलब्ध कराये जाने पर अपनी पूर्ण क्षमता के अनुसार विद्युत् उत्पादन करती है। हालाँकि सिंचाई के दौरान कैनाल में छोड़े गए 2200 क्यूसेक्स पानी की एवज़ में मात्र 500 क्यूसेक्स पानी ही विद्युत गृह 2 पर विद्युत् उत्पादन हेतु उपलब्ध हो पाता है, जिससे विद्युत् उत्पादन कम हो पाता है।

   इस सम्बन्ध में उल्लेखनीय है कि गुजरात में कडाना बाँध पर चारों यूनिट्स (**4 X 60** मेगावाट) मुख्य बाँध पर ही स्थित है और वहां त्रिस्तरीय विद्युत् उत्पादन नहीं होता है।

.....2

4/10/21

2. दैनिक भास्कर में दिनांक 03.10.2021 को प्रकाशित समाचार में गुजरात के कडाना बाँध पर विद्युत् उत्पादन के जो आंकड़े बताये गए हैं वो सही नहीं है, विद्युत् उत्पादन दस लाख यूनिट (गिलियन यूनिट्स) की जगह करोड़ यूनिट में बताया गया है।

3. सामान्यतः दोनों माही विद्युत् गृहों पर विद्युत् उत्पादन जल संसाधन विभाग के निर्देशानुसार डैम लेवल 268/269 मीटर होने पर अप्रैल के मध्य माह से जून माह तक बंद कर दिया जाता है क्योंकि सिंचाई के लिए बांध का पानी उक्त लेवल तक रिजर्व रखा जाता है। पुनः मानसून सक्रिय होने पर एवं माही बाँध का जल स्तर प्रायः 280 मीटर होने पर ही जल संसाधन विभाग द्वारा अगस्त/सितम्बर माह में विद्युत् उत्पादन की अनुमति दी जाती है।

4. वर्तमान में अनास डैम, हाई लेवल कैनाल और भूंगरा लघु पन विद्युत् गृह परियोजनाएं अस्तित्व में नहीं है और न ही राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत है।

उपरोक्त वस्तुस्थिति रिपोर्ट सूचनार्थ एवं प्रकाशन हेतु सादर प्रेषित है।

4/10/21

जयपुर, 4 अक्टूबर 2021

(पवन शर्मा)
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)
रा.वि.उ.नि., जयपुर

प्रतिलिपि – निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार को अवलोकनार्थ एवं समाचार पत्रों में प्रकाशन/प्रसारण हेतु प्रेषित है।

क्र. 2654 दि. 4.10.21

(पवन शर्मा)
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)

दैनिक भास्कर, जयपुर संस्करण
पृष्ठ सं. 01, दिनांक 03.10.2021

राजस्थान को ₹20/यूनिट बिजली खरीदनी पड़ी थी, जबकि हमारे पानी से गुजरात रोशन

माही बांध से राजस्थान हर साल 20 करोड़ यूनिट बिजली बना रहा, गुजरात में उसी पानी से 400 करोड़ यूनिट उत्पादन

एडिटर्स एक्सक्लूसिव

अरविंद शर्मा, स्थानीय संपादक, बांसवाड़ा

राजस्थान को बिजली संकट दूर करने के लिए 20 रुपए प्रति यूनिट बिजली खरीदनी पड़ रही है, जबकि हमारे माही बांध और 8 सहायक नदियों से बहकर जाने वाले पानी से गुजरात रोशन है। हम हर साल महज 20 करोड़ यूनिट बिजली बना पा रहे हैं, जबकि गुजरात हमारे पानी से ही 400 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन कर रहा है। माही बांध की भराव क्षमता 281.50 मीटर है, जबकि गुजरात के कडाणा बांध की 272.71 मीटर है।

अनास डैम व हाई लेवल कैनाल से हर साल 8.21 करोड़ यूनिट बिजली बना सकते हैं | पढ़ें राजस्थान पेज

गुजरात जून से शुरू कर देता है उत्पादन, 6 साल में 8073 करोड़ रु. की बिजली बना चुका

राजस्थान... 6 साल में महज 18 करोड़ रु. की बिजली बनी

साल	पानी छोड़ा	बिजली बनाई
2016-17	13	20.96
2017-18	30	18.01
2018-19	158	11
2019-20	43	21.98
2020-21	1.28	20.24

गुजरात... इसी साल माही के पानी से 337 करोड़ यूनिट बिजली बनी

साल	पानी छोड़ा	बिजली बनाई
2016-17	119159.37	345.007
2017-18	103798.06	303.654
2018-19	237.469	84087.47
2019-20	173879.86	470.008
2020-21	121969.85	337.032

बिजली उत्पादन के आंकड़े करोड़ यूनिट में, पानी निकासी के आंकड़े टीएमसी में

माही बांध में अभी 18 टीएमसी पानी है। सीजन में अब तक 13 टीएमसी पानी गुजरात जा चुका है। इसी सरप्लस पानी से गुजरात 337.032 करोड़ यूनिट बिजली बना चुका, राजस्थान में सिर्फ 21.98 करोड़ यूनिट उत्पादन।

6 साल : गुजरात ने 6 सालों में 1746 करोड़ यूनिट बिजली बनाई। 5 रु. यूनिट के हिसाब से कीमत 8073 करोड़।

राजस्थान ने 6 साल में 94.22 करोड़ यूनिट बिजली बनाई। इसकी कीमत महज 18 करोड़ रु. होती है।

प्रदेश में रोज 2500 लाख यूनिट बिजली खपत। इस साल अगस्त में रिकॉर्ड 3107 लाख यूनिट पहुंची, सरकार ने 20 रु. यूनिट बिजली खरीदी।